



न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुड़ामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 753

दर्ज तिथि:-12.11.2025

1. नरपतसिंह पुत्र नारायणसिंह
2. गोतमसिंह पुत्र नारायणसिंह
3. मदनसिंह पुत्र नारायणसिंह
4. रमेशसिंह पुत्र नारायणसिंह
5. सायरा पत्नी नारायणसिंह
जाति राजपुत निवासी भीलो की ढाणी तहसील गुड़ामालानी

.....वादीगण

1. गणपतसिंह पुत्र सोहनसिंह
2. इन्द्रादेवी पत्नी पुनमसिंह
3. गिरधारीसिंह पुत्र पुनमसिंह
4. जालमसिंह पुत्र मंगलसिंह
5. विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह
6. सगतसिंह पुत्र हीरसिंह
7. हडमतसिंह पुत्र हीरसिंह जाति राजपुत
जाति विश्नोई निवासी भीलो की ढाणी तहसील गुड़ामालानी
8. पुनमा पुत्र हरकिन
9. प्रभू पुत्र हरकिन
10. मंगला पुत्र हरकिन
11. हडुमान पुत्र हरकिन
जाति विश्नोई निवासी भीलो की ढाणी तहसील गुड़ामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

12. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा गुड़ामालानी
13. तहसीलदार गुड़ामालानी

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री प्रागाराम बोगराज

प्रतिवादीगण:- श्री चिमनसिंह चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:निर्णय:-

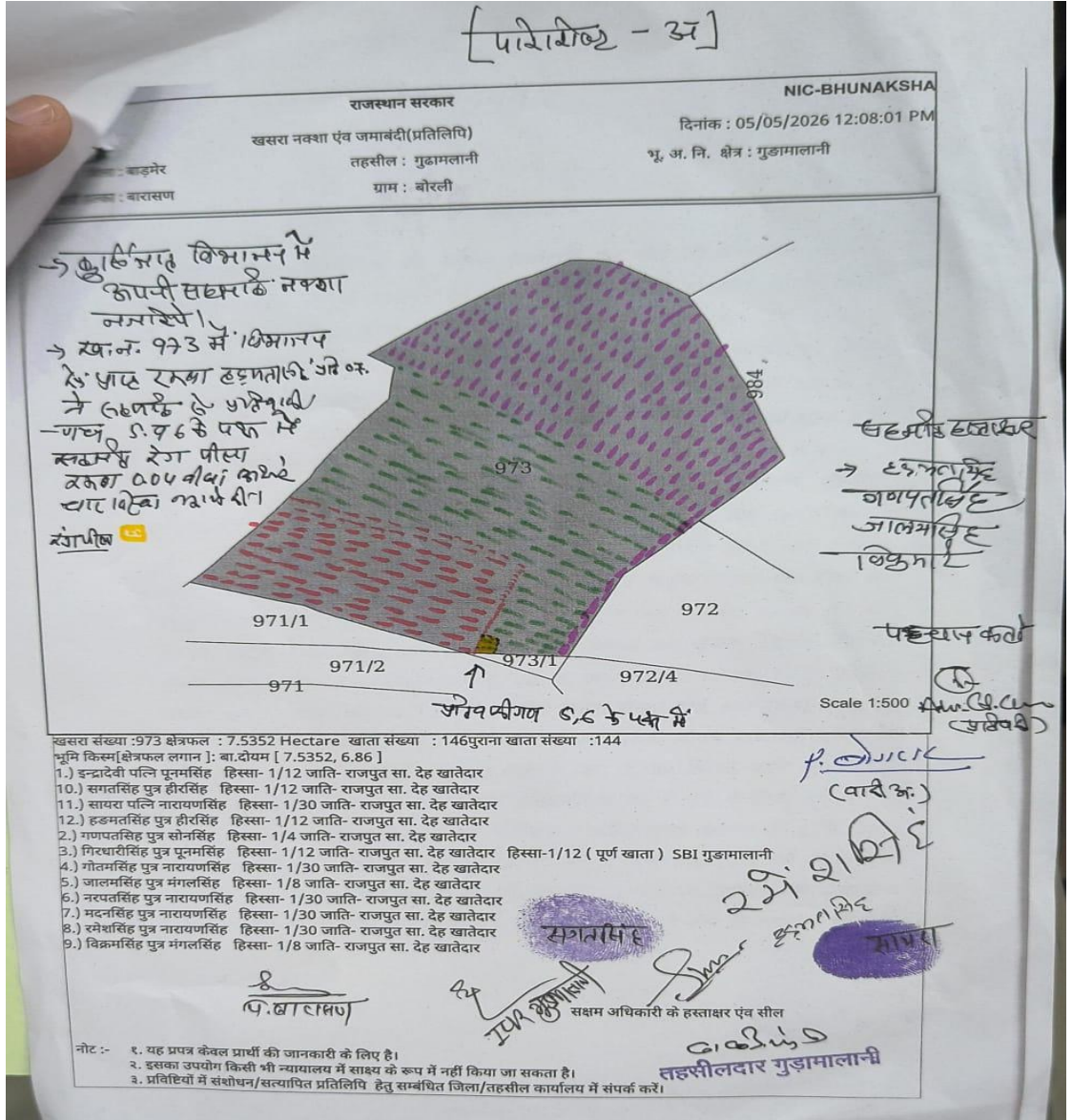
निर्णय तिथि:- 14.05.2026

- आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेष हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 1025/483 रकबा 8.6198, 483/0.1214 है0, 951/3.9335 है0 मौजा भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 970/3.5289 है0, 973/7.5352 है0 मौजा बोरली पटवार हल्का बारासण तहसील गुड़ामालानी में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है।
- तत्पश्चात प्रकरण में दिनांक 05.03.2026 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2026/2724 दिनांक 21.05.2026 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2026/2724 दिनांक 21.05.2026 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields. - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 04.05.2026 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 3666-3681 दिनांक 23.04.2026 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 04.05.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के</p>

	नोटिस क्रमांक 3666-3681 दिनांक 23.04.2026 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 04.05.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
--	--

3. तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित कुर्रेजात रिपोर्ट मय नजरी नक्शा पर अधिवक्ता वादी उभय पक्षकारान की बहस सुनी गई। अधिवक्ता उभय पक्षकारान द्वारा खसरा संख्या 973 मौजा बोरली का विभाजन परिशिष्ट 'अ' अनुसार किये जाने का निवेदन किया गया। नजरी नक्शा परिशिष्ट 'अ' निम्नानुसार है-



4. प्रकरण में उक्त परिशिष्ट-अ तथा शेष कुर्रेजात रिपोर्ट पर उभयपक्षकारान द्वारा सहमति प्रदान की गई। प्रकरण में वादीगण की सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2073-2076 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट एवं कुर्रेजात व नजरी नक्शा पर का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण

एवं असल प्रतिवादीगण संयुक्त आराजी खसरा संख्या 1025/483 रकबा 8.6198, 483/0.1214 है0, 951/3.9335 है0 मौजा भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 970/3.5289 है0, 973/7.5352 है0 मौजा बोरली पटवार हल्का बारासण तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। उक्त परिशिष्ट-अ तथा शेष कुर्रैजात रिपोर्ट पर उभयपक्षकारान द्वारा सहमति मय नक्शा के अनुसार उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः दावा वादीगण मुताबिक उक्त परिशिष्ट-अ तथा शेष कुर्रैजात रिपोर्ट पर उभयपक्षकारान द्वारा सहमति मय नक्शा-ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

5. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

188. Injunction against wrongful ejectment—

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई है:-

परिस्थिति	विवरण
-----------	-------

1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

7. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

8. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफ्त में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं 1025/483 रकबा 8.6198, 483/0.1214 है0, 951/3.9335 है0 मौजा भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 970/3.5289 है0, 973/7.5352 है0 मौजा बोरली पटवार हल्का बारासण तहसील

गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा ट्रेस व उभय पक्षकारान द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट 'अ' तथा नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
हड़मतसिंह पुत्र हीरसिंह	पूर्ण	बोरली	973	2.6542 है०	बा०दो०
कुल किता 1 रकबा 2.6542 है०					
सगतसिंह पुत्र हीरसिंह	पूर्ण	बोरली	973	2.7227 है०	बा०दो०
कुल किता 1 रकबा 2.7227 है०					
रमेशसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	बोरली	973	2.1260 है०	बा०दो०
नरपतसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5				
गौतमसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	विश्वोईयों की ढाणी	1025/483	3.2469 है०	बा०दो०
मदनसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5				
सायरा पत्नी नारायणसिंह जाति राजपुत सा० देह खाते.	1/5				
कुल किता 2 रकबा 5.3729 है०					
गिरधारीसिंह पुत्र पूनमसिंह	1/2	विश्वोईयों की ढाणी	1025/483	5.3729 है०	बा०दो०
इन्द्रादेवी पत्नी पूनमसिंह जाति राजपुत	1/2				
कुल किता 1 रकबा 5.3729 है०					
गणपतसिंह पुत्र सोनसिंह	1/2	बोरली	970	3.5289 है०	बा०दो०
विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह	1/4				
जालमसिंह पुत्र मंगलसिंह कौम राजपुत सा० देह खाते.	1/4	विश्वोईयों की ढाणी	951	3.9335 है०	बा०दो०
कुल किता 2 रकबा 7.4624 है०					
विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह	1/2	बोरली	973	0.0323 है०	बा०दो०
सगतसिंह पुत्र हीरसिंह	1/2				
कुल किता 1 रकबा 0.0323 है०					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नरपतसिंह बनाम गणपतसिंह
2025/753

निर्णय दिनांक:-25.05.2026

कुर्रेजात, परिशिष्ट-अ व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 25.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुड़ामालानी





न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुड़ामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 753

दर्ज तिथि:-12.11.2025

1. नरपतसिंह पुत्र नारायणसिंह
2. गोतमसिंह पुत्र नारायणसिंह
3. मदनसिंह पुत्र नारायणसिंह
4. रमेशसिंह पुत्र नारायणसिंह
5. सायरा पत्नी नारायणसिंह

जाति राजपुत निवासी भीलो की ढाणी तहसील गुड़ामालानी

.....वादीगण

बनाम

1. गणपतसिंह पुत्र सोहनसिंह
2. इन्द्रादेवी पत्नी पुनमसिंह
3. गिरधारीसिंह पुत्र पुनमसिंह
4. जालमसिंह पुत्र मंगलसिंह
5. विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह
6. सगतसिंह पुत्र हीरसिंह
7. हडमतसिंह पुत्र हीरसिंह जाति राजपुत
8. पुनमा पुत्र हरकिन
9. प्रभू पुत्र हरकिन
10. मंगला पुत्र हरकिन
11. हडुमान पुत्र हरकिन

जाति विश्नोई निवासी भीलो की ढाणी तहसील गुड़ामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

12. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा गुड़ामालानी
13. तहसीलदार गुड़ामालानी

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री प्रागाराम बोगराज

प्रतिवादीगण:- श्री चिमनसिंह चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं 1025/483 रकबा 8.6198, 483/0.1214 है0, 951/3.9335 है0 मौजा भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 970/3.5289 है0, 973/7.5352 है0 मौजा बोरली पटवार हल्का बारासण तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा ट्रेस व उभय पक्षकारान द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट 'अ' तथा नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

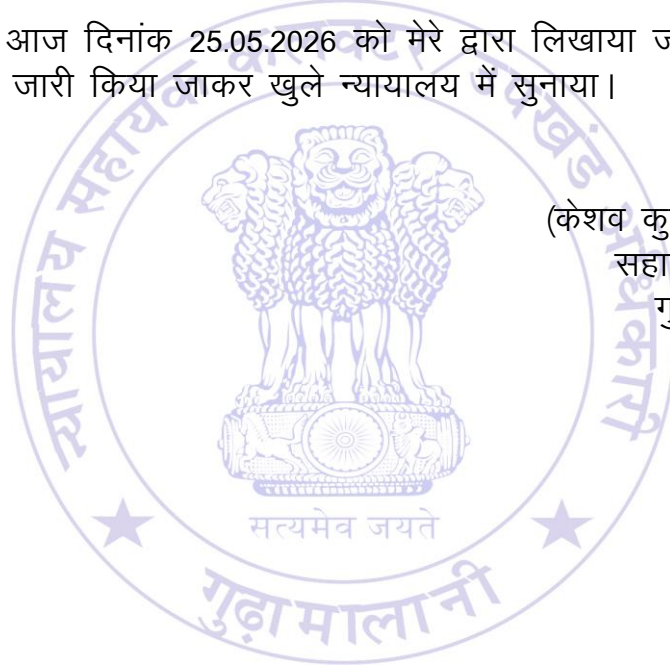
खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
हड़मतसिंह पुत्र हीरसिंह	पूर्ण	बोरली	973	2.6542 है0	बा0दो0
कुल किता 1 रकबा 2.6542 है0					
सगतसिंह पुत्र हीरसिंह	पूर्ण	बोरली	973	2.7227 है0	बा0दो0
कुल किता 1 रकबा 2.7227 है0					
रमेशसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	बोरली	973	2.1260 है0	बा0दो0
नरपतसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	बोरली	973	2.1260 है0	बा0दो0
गौतमसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	बोरली	973	2.1260 है0	बा0दो0
मदनसिंह पुत्र नारायणसिंह	1/5	बोरली	973	2.1260 है0	बा0दो0
सायरा पत्नी नारायणसिंह	1/5	विश्वोईयों की ढाणी	1025 / 483	3.2469 है0	बा0दो0
जाति राजपुत सा0 देह खाते.					
कुल किता 2 रकबा 5.3729 है0					
गिरधारीसिंह पुत्र पूनमसिंह	1/2	विश्वोईयों की ढाणी	1025 / 483	5.3729 है0	बा0दो0
इन्द्रादेवी पत्नी पूनमसिंह	1/2	विश्वोईयों की ढाणी	1025 / 483	5.3729 है0	बा0दो0
जाति राजपुत					
कुल किता 1 रकबा 5.3729 है0					
गणपतसिंह पुत्र सोनसिंह	1/2	बोरली	970	3.5289 है0	बा0दो0
विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह	1/4	बोरली	970	3.5289 है0	बा0दो0
जालमसिंह पुत्र मंगलसिंह	1/4	बोरली	970	3.5289 है0	बा0दो0
कौम राजपुत सा0 देह खाते.		विश्वोईयों की ढाणी	951	3.9335 है0	बा0दो0
कुल किता 2 रकबा 7.4624 है0					

विक्रमसिंह पुत्र मंगलसिंह	1/2	बोरली	973	0.0323 है0	बा0दो0
सगतसिंह पुत्र हीरसिंह	1/2				
कुल किता 1 रकबा 0.0323 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

कुर्रेजात, परिशिष्ट-अ व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 25.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।



(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुवाहाली